हे मंगल की मूल भवानी शरणा तेरा है

शरणा तेरा है ओ शरणा तेरा है
हे मंगल की मूल भवानी शरणा तेरा है

ओ शरणा तेरा है आसरा तेरा है
हे मंगल की मूल भवानी शरणा तेरा है

मैया है ब्रह्मा की पुत्री लेकर ज्ञान स्वर्ग से उतरी -
ओ आज थारी कथा बना दुयु सुथरी प्रथम मनाया है -2

हे मंगल की मूल भवानी शरणा तेरा है
ओ शरणा तेरा है आसरा तेरा है
हे मंगल की मूल भवानी शरणा तेरा है

मैया तेरा भवन बड़ा जाली का हर गूथ लाया है माली का
ओ धयान धार कलकत्ते वाली का पुष्प चढ़ाया है -2

हे मंगल की मूल भवानी शरणा तेरा है

मैया तूने महिसासुर को मारा अपने बल के धरण पछाडया
ओ हाथ लिए खांडा रू दारा असुर सहारा -२

हे मंगल की मूल भवानी शरणा तेरा है
ओ शरणा तेरा है आसरा तेरा है
हे मंगल की मूल भवानी शरणा तेरा है

कहता शंकर जटिली वाला हरदम रत मैया की माला
ओ खल तेरे हिरदय का ताला विद्याधर पाया है -२

हे मंगल की मूल भवानी शरणा तेरा है
ओ शरणा तेरा है आसरा तेरा है
हे मंगल की मूल भवानी शरणा तेरा है

बोलो नाथ जी महाराज की जय
रति नाथ जी भजन
धीरेन्द्र शर्मा ९९८२०१३८२८

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/2013/title/he-mangal-ki-mul-bhawani-sharna-tera-hai

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |